भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
I.C.A.R.- NATIONAL RESEARCH CENTRE ON CAMEL, BIKANER

स्वच्छता पखवाड़ा (16 से 31 दिसम्बर 2020)

भारत सरकार के निर्देशानुसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ईमेल दिनांक 09.12.2020 14.12.2020 की अनुपालना में भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर में स्वच्छता अभियान के तहत दिनांक 16 से 31 दिसम्बर 2020 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है।

गावं सावंता (जैसलमेर) में किसान दिवस मनाया : दिनांक 23.12.2020

भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा केन्द्र में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के तहत दिनांक 23.12.2020 को जैसलमेर के सांवता गांव में पशु स्वास्थ्य शिविर एवं किसान परिचर्चा का आयोजन किया गया.साथ ही पशु पालकों के अनुभव भी साझा करते हुए उन्हें पशु पालन व्यवसाय में स्वच्छता हेतु विशेष रुप से प्रोत्साहित किया गया।

केंद्र की एससीएसपी उपयोजना के तहत सांवता गांव में आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में लगभग 122 महिला एवं पुरुष किसानों ने सहभागिता निभाई।

इस दौरान राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों व पशु चिकित्सा अधिकारियों ने शिविर में लाए गए विभिन्न पशुओं जिनमें ऊंट 310, बकरी 800, भेड़ 450, गाय 110, भैंस 15 सहित कुल 1685 का इलाज किया गया. इस अवसर पर रखी गई परिचर्चा में भाग ले रहे पशुपालकों को पशुओं के उचित रखरखाव, उनसे स्वच्छ उत्पादन लेने, पशु के स्वास्थ्य की उचित देखभाल तथा पशुपालन व्यवसाय को और अधिक लाभदायक बनाने हेतु वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण जानकारी संप्रेषित की. परिचर्चा में पशु पालकों ने पशुपालन व्यवसाय में आने वाली विभिन्न समस्याओं के संबंध में अवगत करवाया गया जिनका उचित समाधान व निराकरण किया गया।

पशु स्वास्थ्य शिविर के इस मौके पर पशुपालकों से रूबरू होते हुए राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. आर.के. सांवल ने कहा कि केंद्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के तहत आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को विशेष दिवस (किसान दिवस) के रूप में मनाया जा रहा है, इसके पीछे सरकार की स्पष्ट मंशा है कि देश का किसान खेती व पशुपालन व्यवसाय में स्वच्छता का महत्व जानते हुए आत्मनिर्भर बनें बल्कि अपनी आमदनी में आशातीत वृद्धि कर सके. डॉ. सावल ने कहा कि केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा उष्ट्र पालन व्यवसाय को और अधिक लाभदायक बनाने एवं इस क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों का लाभ, आम उष्ट्र पालक व किसान तक पहुंचेगा, तभी इन अनुसंधानों की सार्थकता सिद्ध की जा सकती है, अतः किसान भाई, वैज्ञानिक तरीकों से जिनमें स्वच्छता का विशेष महत्त्व है, अपने पशुओं की देखभाल सुनिश्चित कर उनसे बेहतर उत्पादन प्राप्त करें तथा इस व्यवसाय को और अधिक आगे बढ़ाने में सहयोग दें।

इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश ने कहा कि यदि पशुपालक, पशुओं की उचित देखभाल हेतु बाड़ों की उचित साफ-सफाई, उनकी मिट्टी बदलना, मौसम के अनुकूल उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा करेंगे तो पशु बीमार भी नहीं होंगे और आमदनी प्रभावित नहीं होंगी|

केंद्र की एससीएसपी योजना के नोडल अधिकारी एवं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. काशीनाथ ने जानकारी दीं कि शिविर में इलाज हेतु लाए गए जानवरों में मुख्य रुप से चीचड़, पेट के कीड़े, खाज-खुजली, भूख कम लगना, दस्त लगना, मिट्टी खाना आदि के उपचार हेतु दवाइयां दी गई. कमजोर पशुओं को मल्टी विटामिन युक्त इंजेक्शन तथा पौषकता बढ़ाने हेतु केंद्र निर्मित संतुलित पशु आहार व खनिज मिश्रण दिया गया.

आयोजित गतिविधि में पशु पालकों की पशुओं सहित सहभागिता हेतु सांवता गाँव के प्रगतिशील पशुपालक श्री सुमेर सिंह ने महत्वपूर्ण योगदान दिया वहीं केंद्र के श्री मनजीत सिंह ने पशुपालकों के पंजीयन, पशुओं के उपचार, दवा व पशु आहार वितरण जैसे विभिन्न कार्यों में सक्रिय योगदान दिया।

केन्द्र के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ परिसर में आस-पास के गाँवों से आए ऊँट पालकों एवं किसानों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने, उपलब्ध संशाधनों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता द्वारा स्वस्थ रहने एवं स्वस्थ खानपान के तरीकों द्वारा स्वस्थ रहने हेतु जानकारी दी गई ।

अनुसूचित जाति उप
स्वच्छता पखवाड़ा

अनुसूचित जाति उप योजना
स्वच्छता पखवाड़ा